संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय, भोपाल

(म.प्र. शासन और राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त तथा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से संबद्ध और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विष्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 2(f) एवं 12(b)में मान्यता प्राप्त)

संत हिरदाराम नगर, भोपाल – 462030

दूरभाष – (0755) 2640174, 2640178, 2640631, 2640632, फैक्स – 2640632

Web Site : www.shgc.in E-mail : santhirdaramgirlscollege@yahoo.com

दिनांक : 15.08.2017

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में 71 वॉ आजादी का जष्न

15 अगस्त 2017, दिन मंगलवार को परम श्रद्धेय सिद्धभाऊजी की पावन उपस्थिति में 71 वाँ स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। यह कार्यक्रम संत हिरदराम कन्या महाविद्यालय, संत हिरदाराम प्रबंधन संस्थान एवं संत हिरदाराम प्राकृतिक एवं योग चिकित्सा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कमांडर भक्ति गोखले (कमांडिंग ऑफीसर, 1 एमपी नेवल युनिट, एनसीसी) एवं विषिष्ट अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी कर्नल नारायण पारवानी, संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के प्रबंध निदेषक श्री हीरो ज्ञानचंदानी, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चरनजीत कौर, संत हिरदाराम प्रबंधन संस्थान के निदेषक डॉ. राकेष आनंद, संत हिरदाराम प्राकृतिक एवं योग चिकित्सा महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. ज्योति केसवानी, तीनो संस्थाओं के छात्र–छात्राएं, षिक्षक–षिक्षिकाएं एवं अन्य स्टॉफ ने उपस्थित होकर झंडा वंदन किया।

इस पावन अवसर पर परम श्रद्धेय सिद्धभाऊ जी ने छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि –भ्रष्टाचार को कभी स्वीकार न करे, आज हमें समाज में राष्ट्र के प्रति दायित्वबोध जगाना है, ये तब संभव होगा जब हम निःस्वार्थ होगें। इसके लिये यदि अपमानित होना पड़े, समस्याओं का सामना करना पड़े पर आगे बढ़ना है। शहीदों एवं क्रांतिकारियों के प्रति सम्मान एवं श्रद्धा रखें, उनके प्रति संवेदनषील बनें। इस अवसर पर उन्होंने 'भारत के वीर' एप के बारे में जानकारी देते हुए छात्राओं से कहा कि वे शहीदों के परिवारों की मदद इस एप के जरीये करे। उन्होंने सिक्खों के पांचवे गुरू श्री अर्जन देव के जीवन प्रसंग का उदहारण देते हुए कहा कि सहायता करते समय रकम भले ही छोटी हो पर अपना हद्य विषाल रखें, अपने अतःकरण में संकल्प लें की जीवनपर्यन्त शहीदों के परिवारों को सम्मान देते रहेगें।

मुख्य अतिथि कमांडर भक्ति गोखले ने अपने जीवन संघर्षों की चर्चा करते हुए छात्राओं से कहा कि आज भारतीय समाज में पारंपरिक स्त्री की भूमिका को बदलने की जरूरत है। सेना हमें सषक्त करती है, नियम एवं अनुषासन में जीना सिखाती है। वास्तव में यदि जीवन जीने का तरीका सीखना है तो सेना इसके लिये उत्तम मार्ग है।

विषिष्ट अतिथि कर्नल एन. पारवानी ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि दुनिया आज हमारी युवा शक्ति का लोहा मान रही है, परन्तु राष्ट्र चरित्र की कमी के कारण कहीं न कहीं हम विकास के उस स्तर पर नहीं है, जहाँ हमें होना चाहिये। आज आवष्यकता है स्वयं में 365 दिन देषभक्ति की भावना जागृत करने की।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चरनजीत कौर ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन धर्म एवं राजनीति के सुन्दर समागम का दिन है। क्योंकि राजनीति बिना धर्म के मायने नहीं रखती और धर्म के साथ हो तो वही उत्तम राजनीति की सीमा होती है। हमारे संविधान में लिखे नियमों का पालन करना हमारा कर्तव्य होना चाहिये। यदि हम देष की खराब व्यवस्था के लिये दोषारोपण करते हैं तो उसे सुधारने की पहल भी हमें स्वयं से करनी चाहिये। शहीदों के प्रति हमारे मन में सम्मान होना चाहिये। एक छात्रा के रूप में महाविद्यालय परिसर में अनुषासन में रहकर अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिये।

इस अवसर पर छात्राओं ने देषभक्ति से भरपूर अपने विचार व्यक्त किये। कु. आस्था मिश्रा, कु. अनुषा मोखरीवाले, कु. लाईबा खान, कु. अपूर्वा साकी एवं कु. दीप्ति ने देषभक्ति से ओतप्रोत सषक्त प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर की छात्राओं ने भी देषभक्ति गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती विभा खरे द्वारा किया गया।

प्राचार्य